एलेअनोर रूज़वेल्ट

डेविड ऐडलर, चित्र: रोबर्ट कैसिल्ला हिंदी: विदूषक

एलेअनोर रूज़वेल्ट

डेविड ऐडलर, चित्र: रोबर्ट कैसिल्ला हिंदी: विदूषक

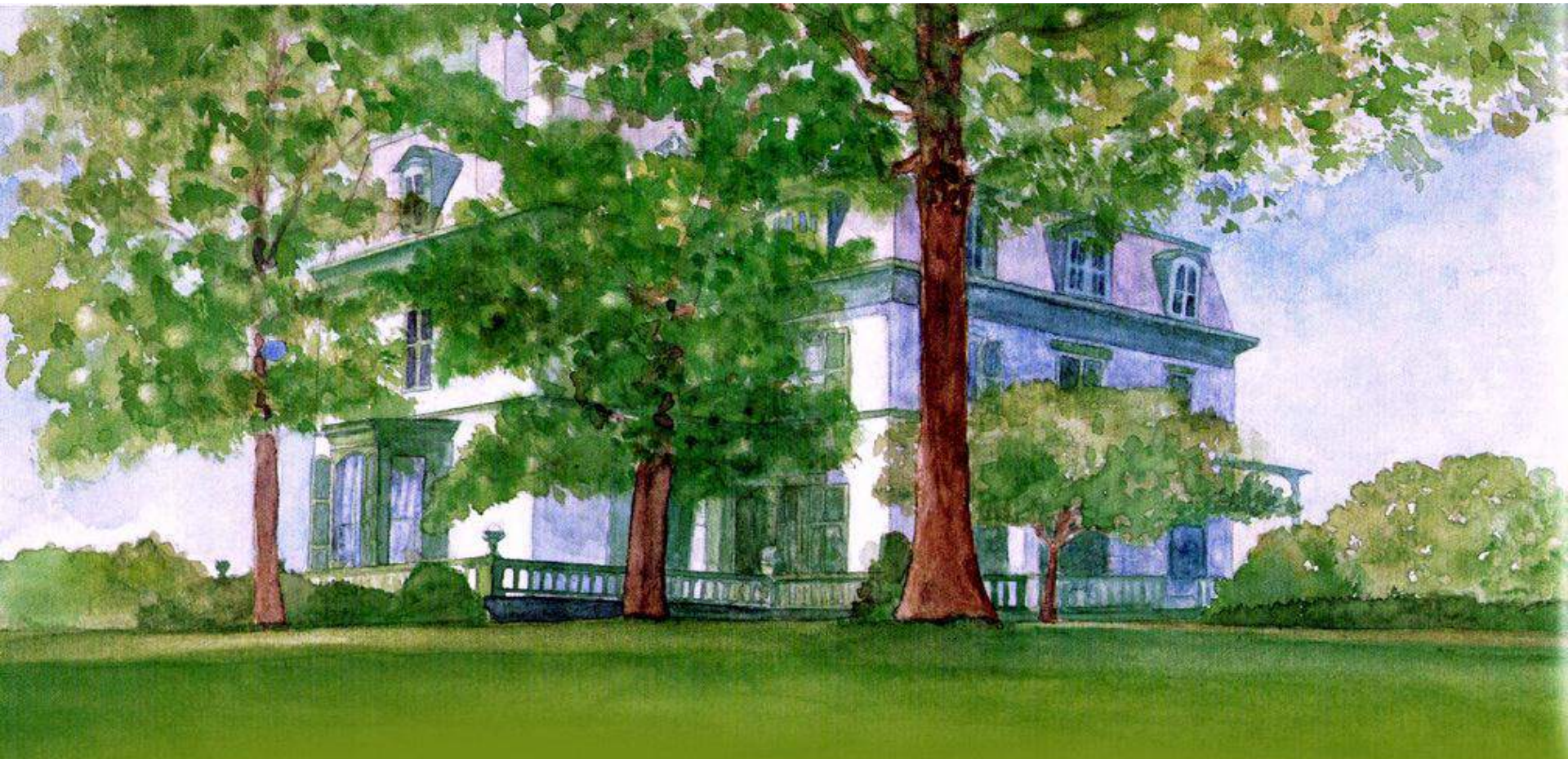

एलेअनोर रूज़वेल्ट का जन्म न्यू-यॉर्क शहर में अक्टूबर 11, 1884 को हुआ. उनके माता-पिता एना और इलियट काफी धनी थे. घर में बहुत से नौकर-चाकर थे. शहर के बीच में उनका बड़ा मकान था और एक हिल स्टेशन पर समर-हाउस था.

एलेअनोर की माँ बहुत सुन्दर थीं पर एलेअनोर देखने में एकदम साधारण थीं. एलेअनोर ऊंची, और फूहड़ लगती थीं. वो बिल्कुल चुप रहती थीं. एलेअनोर हमेशा इतनी गंभीर रहती थीं कि माँ ने उन्हें "दादी-माँ" बुलाना शुरू कर दिया था. एलेअनोर को अपना यह उपनाम बिल्कुल नापसंद था.

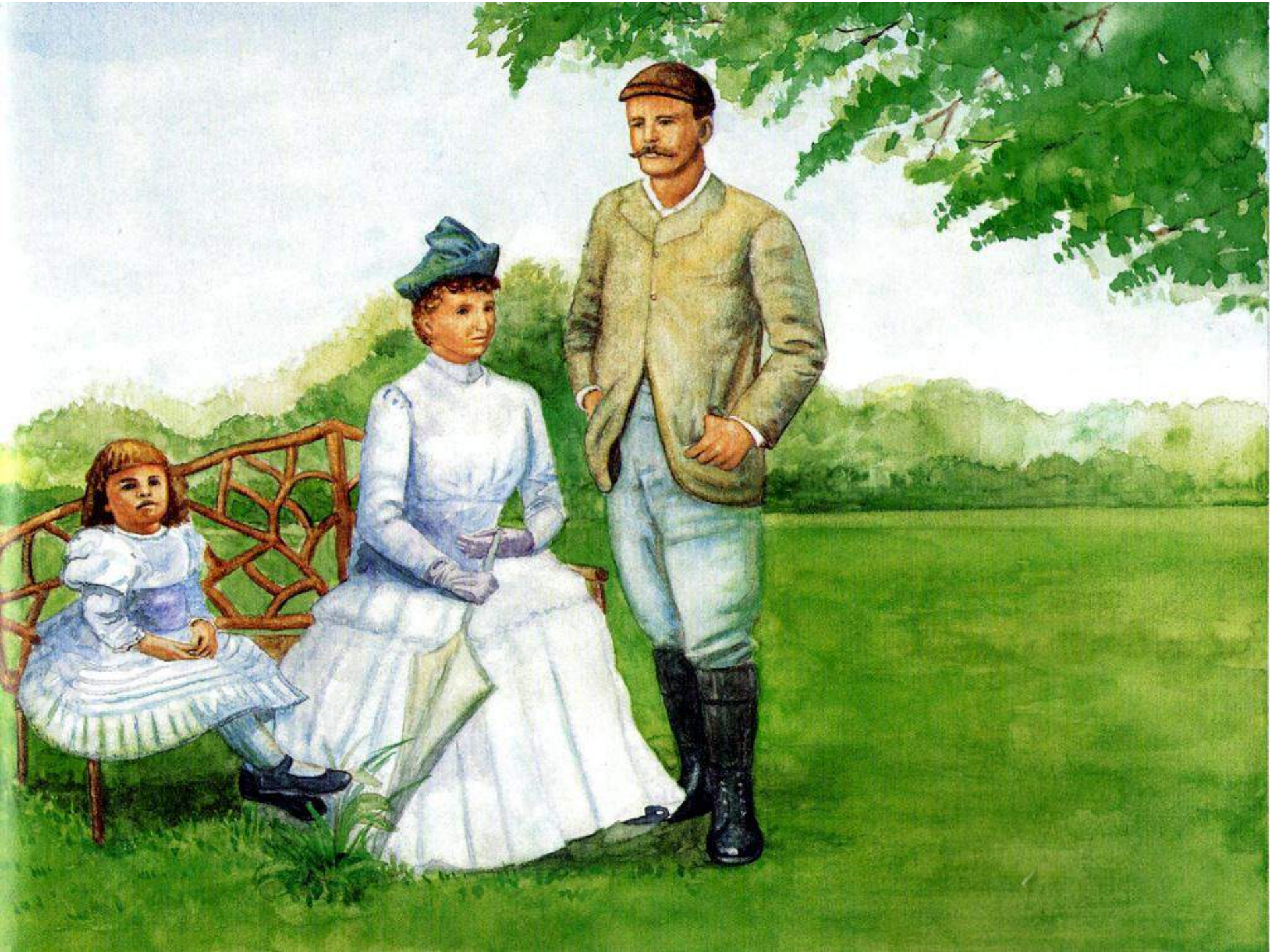

एलेअनोर के पिता उन्हें “सुनहरे बालों वाली” और “नन्हीं नेल” बुलाते थे. एलेअनोर को वे नाम बहुत पसंद थे और वो अपने पिता से बहुत प्रेम करती थीं.

जब एलेअनोर सिर्फ आठ साल की थीं तब उनकी माँ का देहांत हो गया. फिर एलेअनोर अपनी दादी के घर पर जाकर रहीं. 1894 में, एलेअनोर के पिता का भी देहांत हो गया. एलेअनोर को अपने पिता की बहुत याद सताती थी. वो अक्सर सपनों में, अपने पिता को देखती थीं.

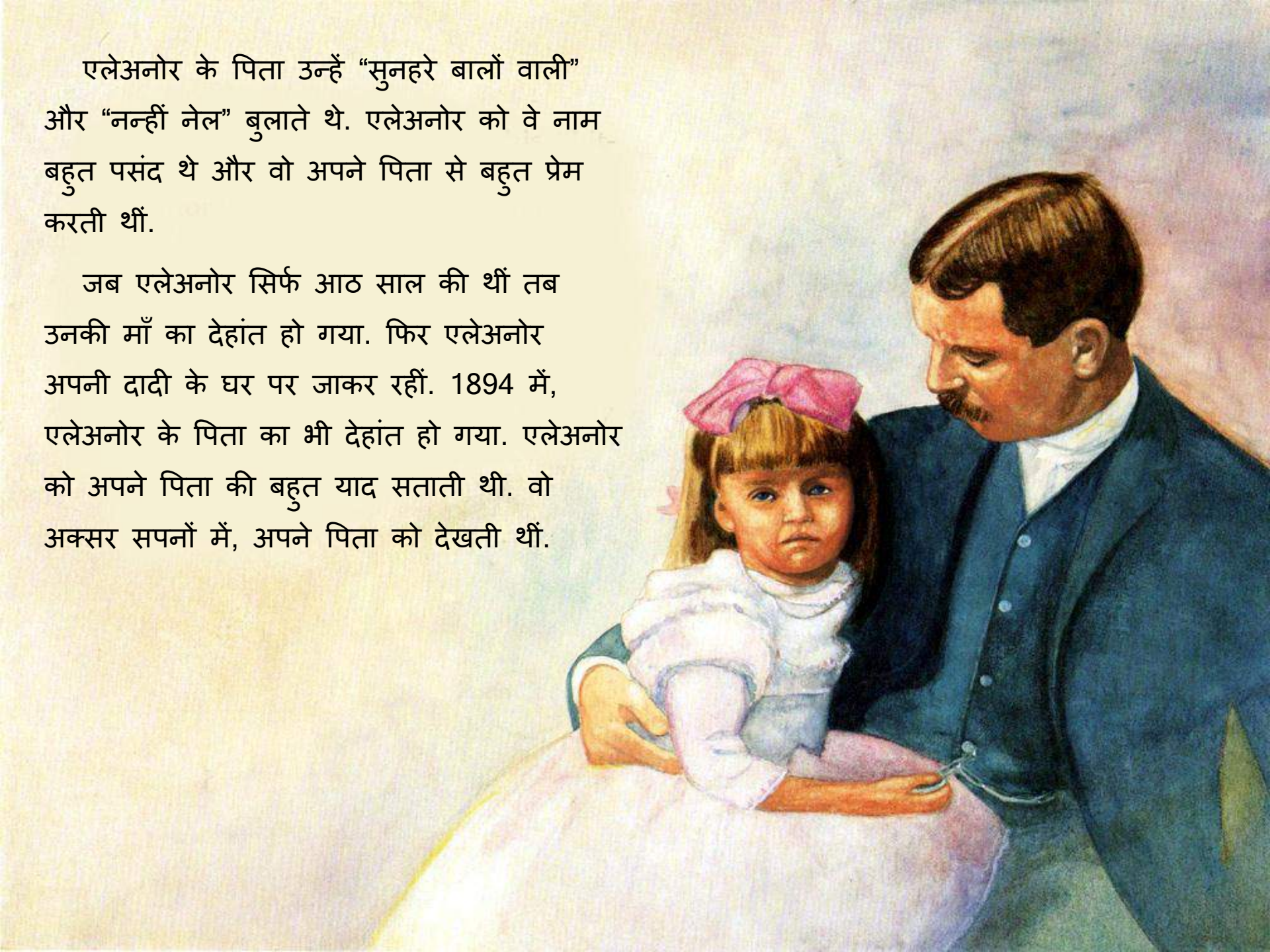

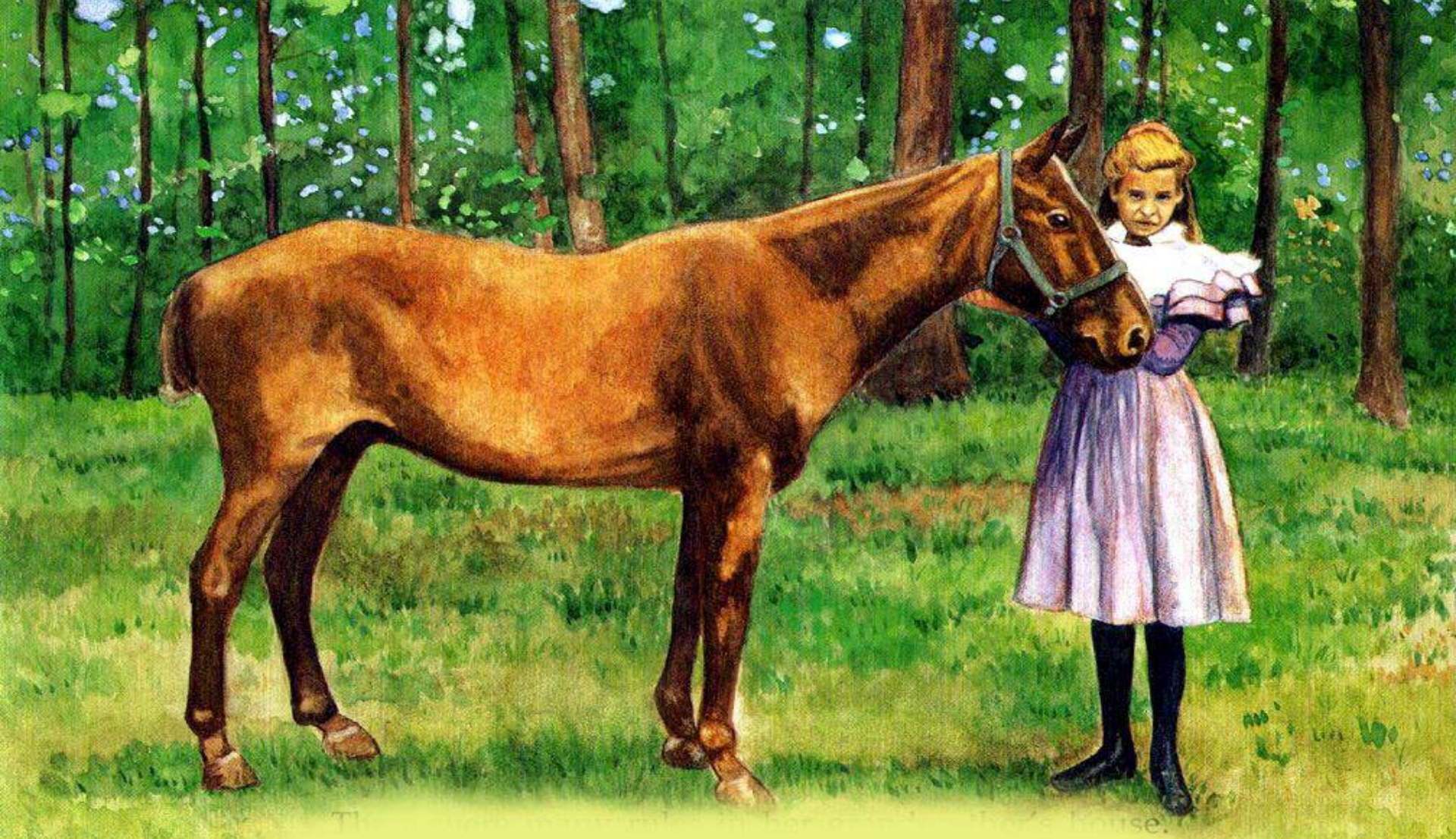

दादी के घर में बहुत से नियम-कानून थे. एलेअनोर, नाश्ते से पहले पलंग में कुछ पढ़ नहीं सकती थीं. उन्हें गर्मियों में भी, लम्बे मोज़े और जूते पहनने पड़ते थे.

घर में एक नौकरानी मेडलीन, एलेअनोर की देखभाल करती थी. मेडलीन, अक्सर एलेअनोर पर चीखती-चिल्लाती थी. कभी-कभी वो एलेअनोर के बाल भी खींचती थी.

जब एलेअनोर पंद्रह साल की हुईं तो उन्हें इंग्लैंड में एलनसवुड नाम के बोर्डिंग स्कूल में पढ़ने भेज दिया गया. एलेअनोर वहां जाकर बहुत खुश हुईं. उन्हें लगा जैसे वहां उन्होंने एक नई ज़िन्दगी की शुरुआत की हो.

एलनसवुड में टीचर्स और बाकी बच्चों को एलेअनोर बहुत अच्छी लगीं. स्कूल की हेडमिस्ट्रेस ने उनके घर पर लिखा कि एलेअनोर का "हृदय सोने की तरह निर्मल" था. उन्होंने एलेअनोर को लोगों की मदद करने का सबक भी सिखाया.

जब एलेअनोर, इंग्लैंड में पढ़ रही थीं तब उसके अंकल थिओडोर रूज़वेल्ट, अमरीका के राष्ट्रपति बने. वो एक सशक्त नेता और लोकप्रिय लीडर थे.

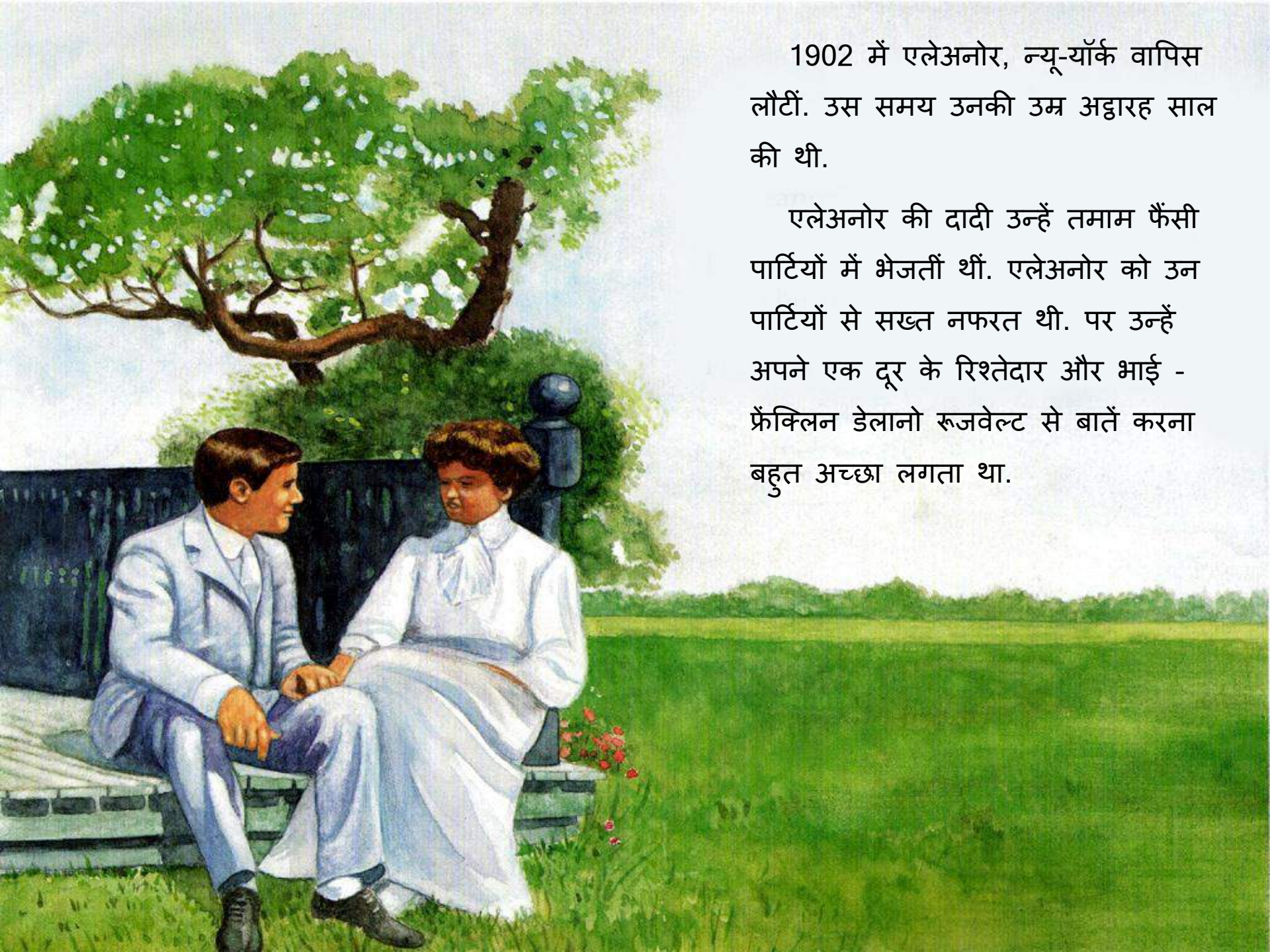

1902 में एलेअनोर, न्यू-यॉर्क वापिस लौटीं. उस समय उनकी उम्र अट्ठारह साल की थी.

एलेअनोर की दादी उन्हें तमाम फैंसी पार्टियों में भेजतीं थीं. एलेअनोर को उन पार्टियों से सख्त नफरत थी. पर उन्हें अपने एक दूर के रिश्तेदार और भाई - फ्रेंक्लिन डेलानो रूजवेल्ट से बातें करना बहुत अच्छा लगता था.

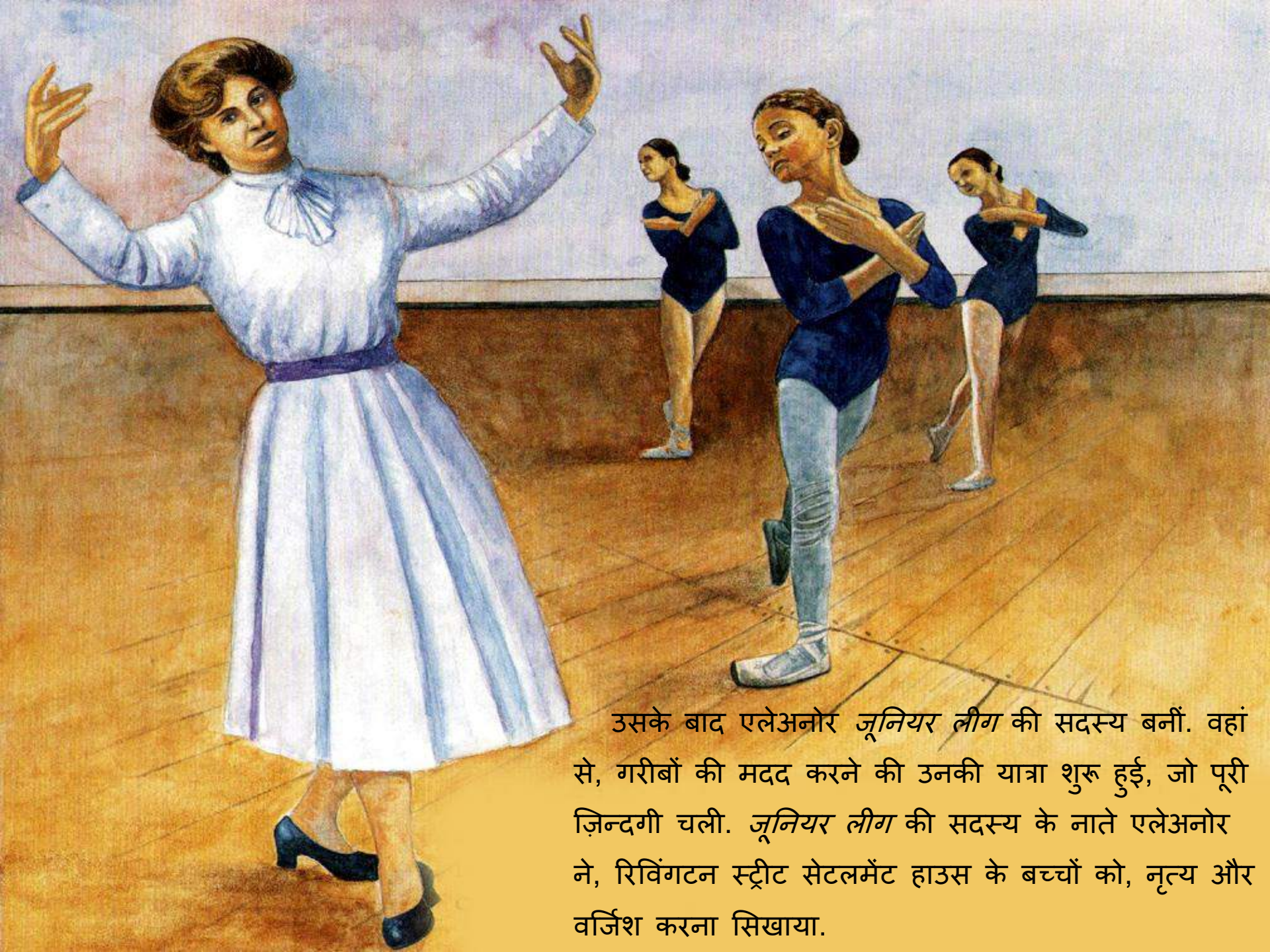

उसके बाद एलेअनोर *जूनियर लीग* की सदस्य बनीं. वहां से, गरीबों की मदद करने की उनकी यात्रा शुरू हुई, जो पूरी ज़िन्दगी चली. *जूनियर लीग* की सदस्य के नाते एलेअनोर ने, रिविंगटन स्ट्रीट सेटलमेंट हाउस के बच्चों को, नृत्य और वर्जिश करना सिखाया.

एलेअनोर अपने रिश्तेदार फ्रेंक्लिन को भी उस सेटलमेंट हाउस में ले गईं.
फ्रेंक्लिन, एलेअनोर को अपने स्कूल में फ़ुटबाल मैच दिखाने ले गया.
फिर दोनों में गहरा प्रेम हो गया.

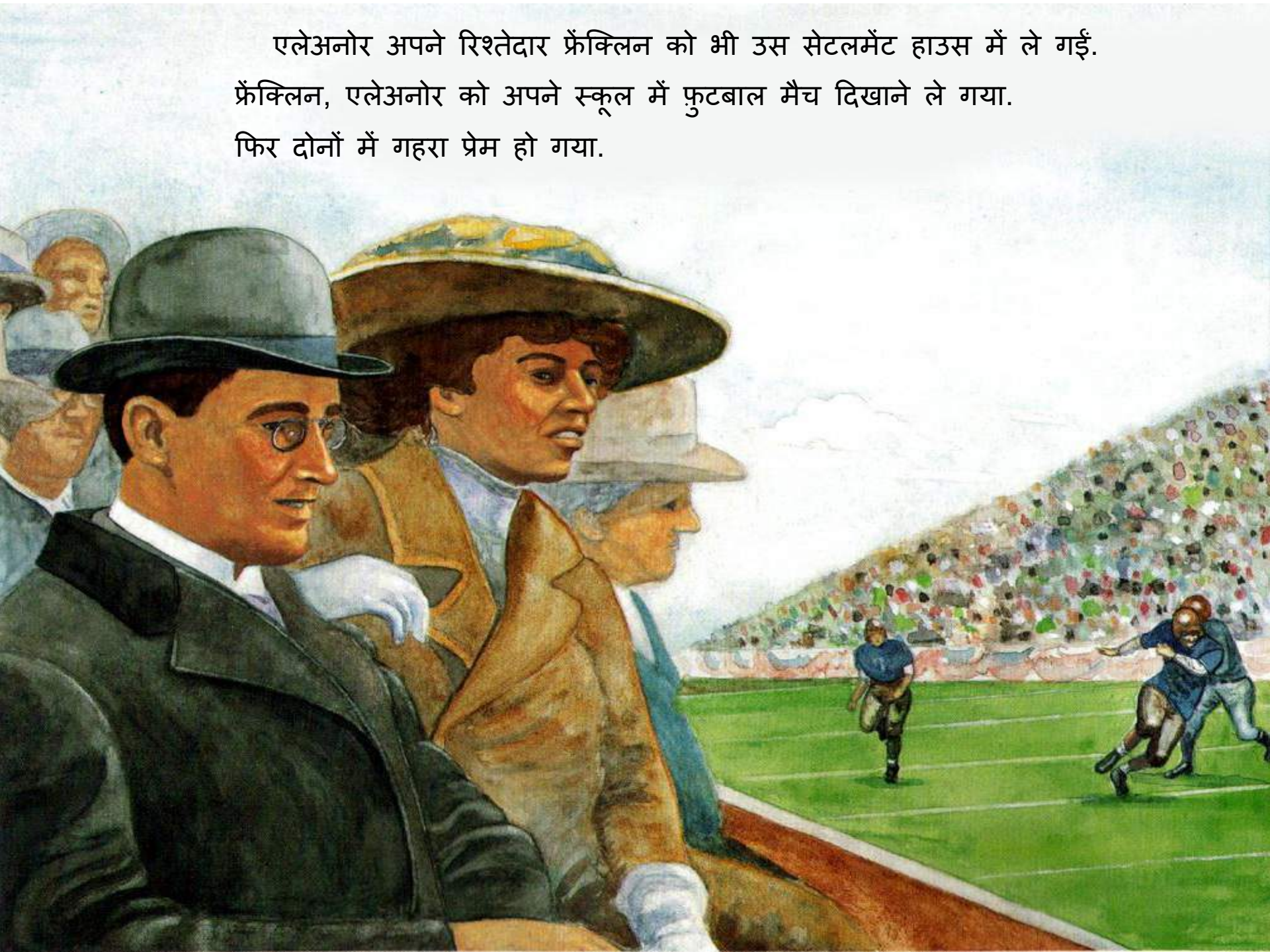

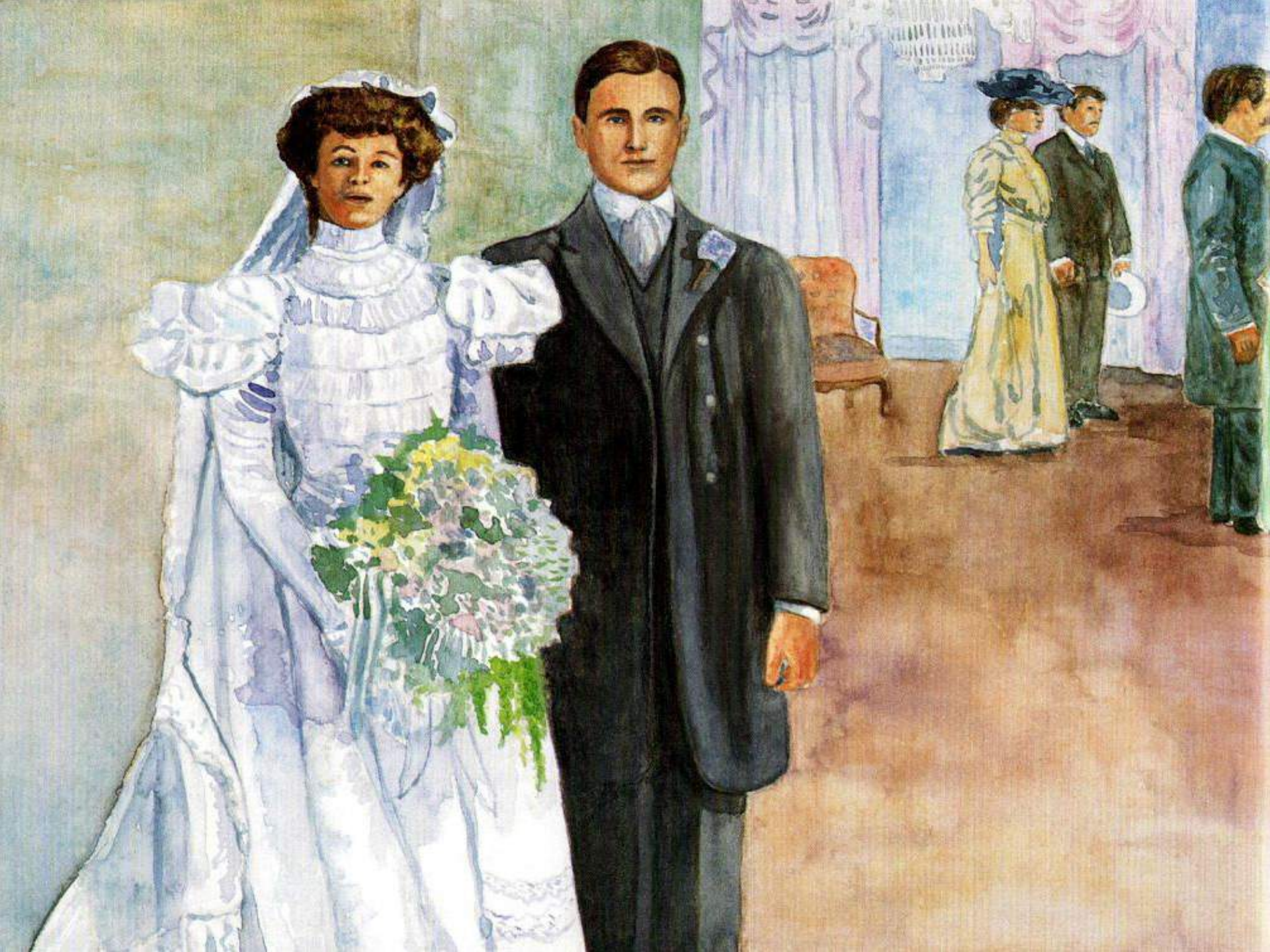

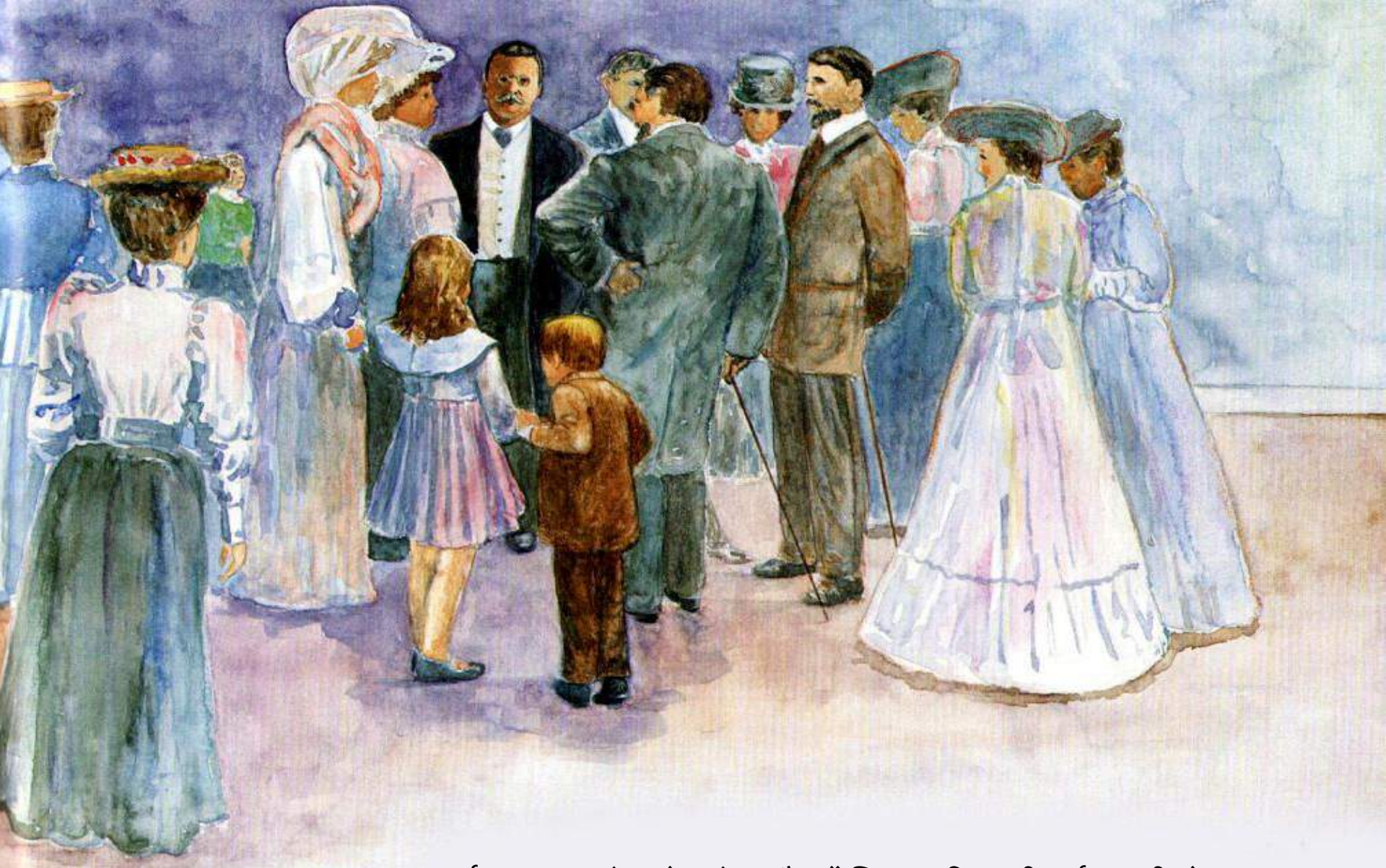

17 मार्च, 1905 को एलेअनोर और फ्रेंक्लिन की शादी हुई. शादी के समय मेहमानों ने वर-वधु पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया. उनकी रूचि एलेअनोर के चाचा - राष्ट्रपति थिओडोर रूज़वेल्ट में थी.

एलेअनोर और फ्रेंक्लिन के छह बच्चे हुए – जिनमें एक लड़की और पांच लड़के थे. उनमें से एक लड़के का बचपन में ही देहांत हो गया. एलेअनोर की मदद के लिए घर में तमाम नौकर-चाकर और नर्सें थीं. कभी-कभी घर में बड़ा कठोर व्यवहार करने वाली कोई नर्स आ जाती – जिससे बच्चों और एलेअनोर दोनों को डर लगता था.

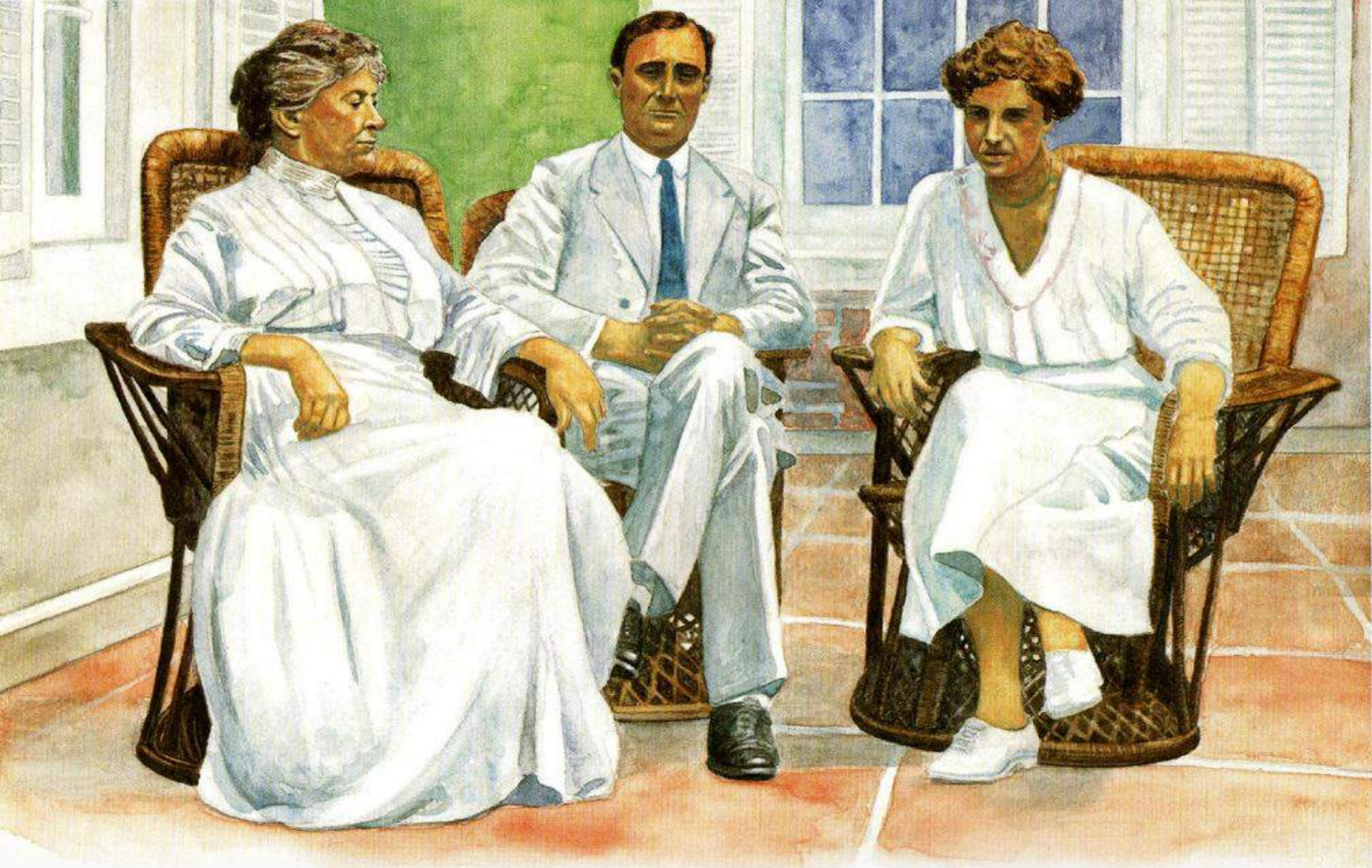

घर में क्या करना है वो आदेश फ्रेंक्लिन की माँ - सारा देतीं. घर कैसा हो, उसमें फर्नीचर कैसा हो, यह सारे निर्णय, सारा लेतीं. शादी के बाद कुछ सालों तक तो एलेअनोर चुप रहीं, फिर बाद में उन्होंने अपनी सास के आदेशों को मानने से इन्कार किया.

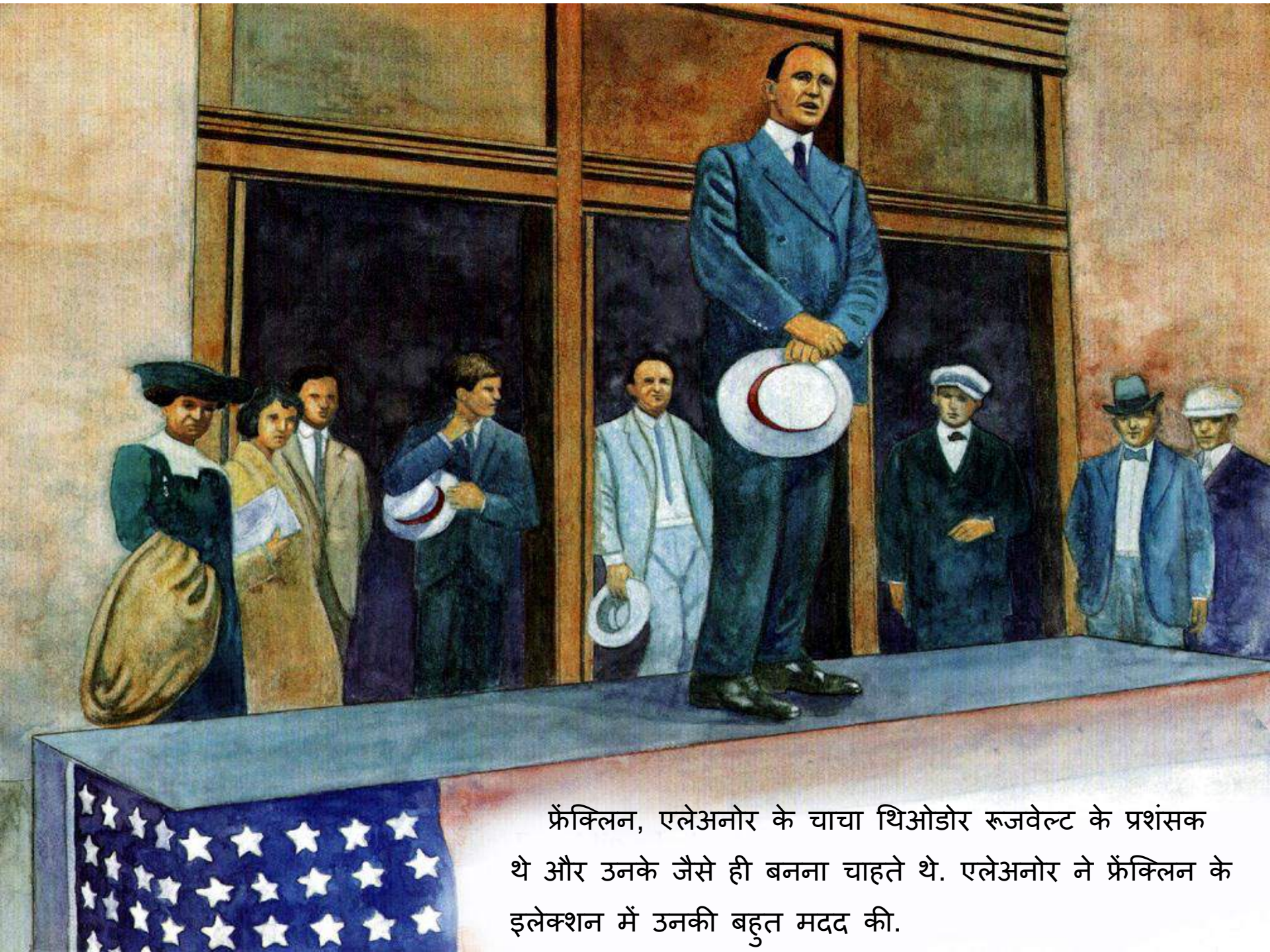

फ्रेंक्लिन, एलेअनोर के चाचा थिओडोर रूजवेल्ट के प्रशंसक थे और उनके जैसे ही बनना चाहते थे. एलेअनोर ने फ्रेंक्लिन के इलेक्शन में उनकी बहुत मदद की.

1921 में फ्रेंक्लिन को पोलियो हो गया. उसके बाद से वो चल नहीं पाए. जब फ्रेंक्लिन बीमार पड़े तो एलेअनोर ने नर्स जैसे उनकी सेवा की. उसके बाद से एलेअनोर, फ्रेंक्लिन की राजनैतिक मीटिंग्स में भाग लेने लगीं और उनके स्थान पर दौरा करने लगीं. वो जो कुछ भी देखतीं और सुनतीं उसकी विस्तृत रिपोर्ट्स वापिस लातीं.

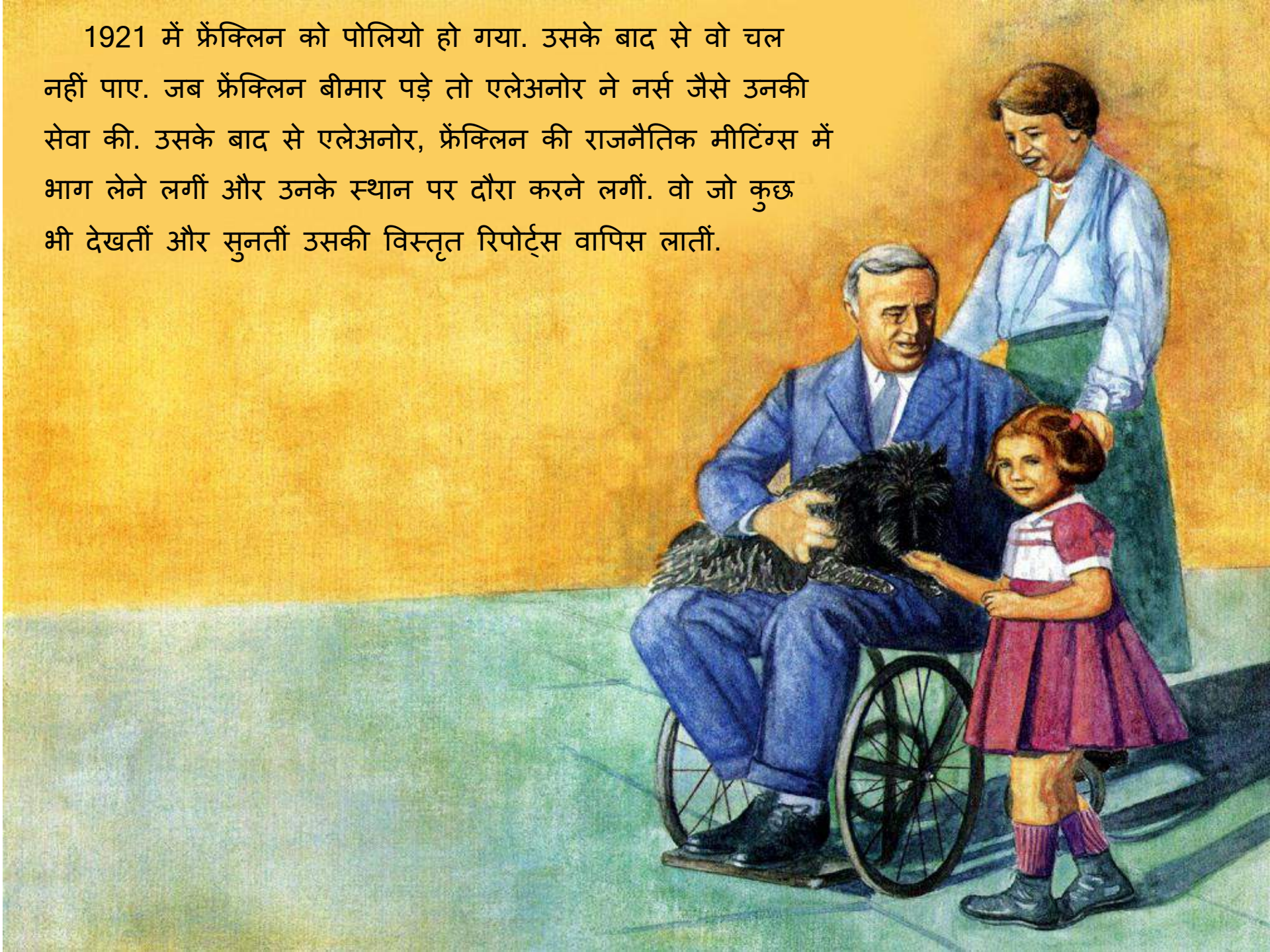

1928 और 1930 में फ्रेंक्लिन, न्यू-यॉर्क के गवर्नर नियुक्त हुए और 1932 में वो अमरीका के राष्ट्रपति चुने गए. वो 1936, 1940 और 1944 में फिर राष्ट्रपति निर्वाचित हुए. जब फ्रेंक्लिन राष्ट्रपति बने तो एलेअनोर अमेरिका की “फर्स्ट लेडी” बनीं.

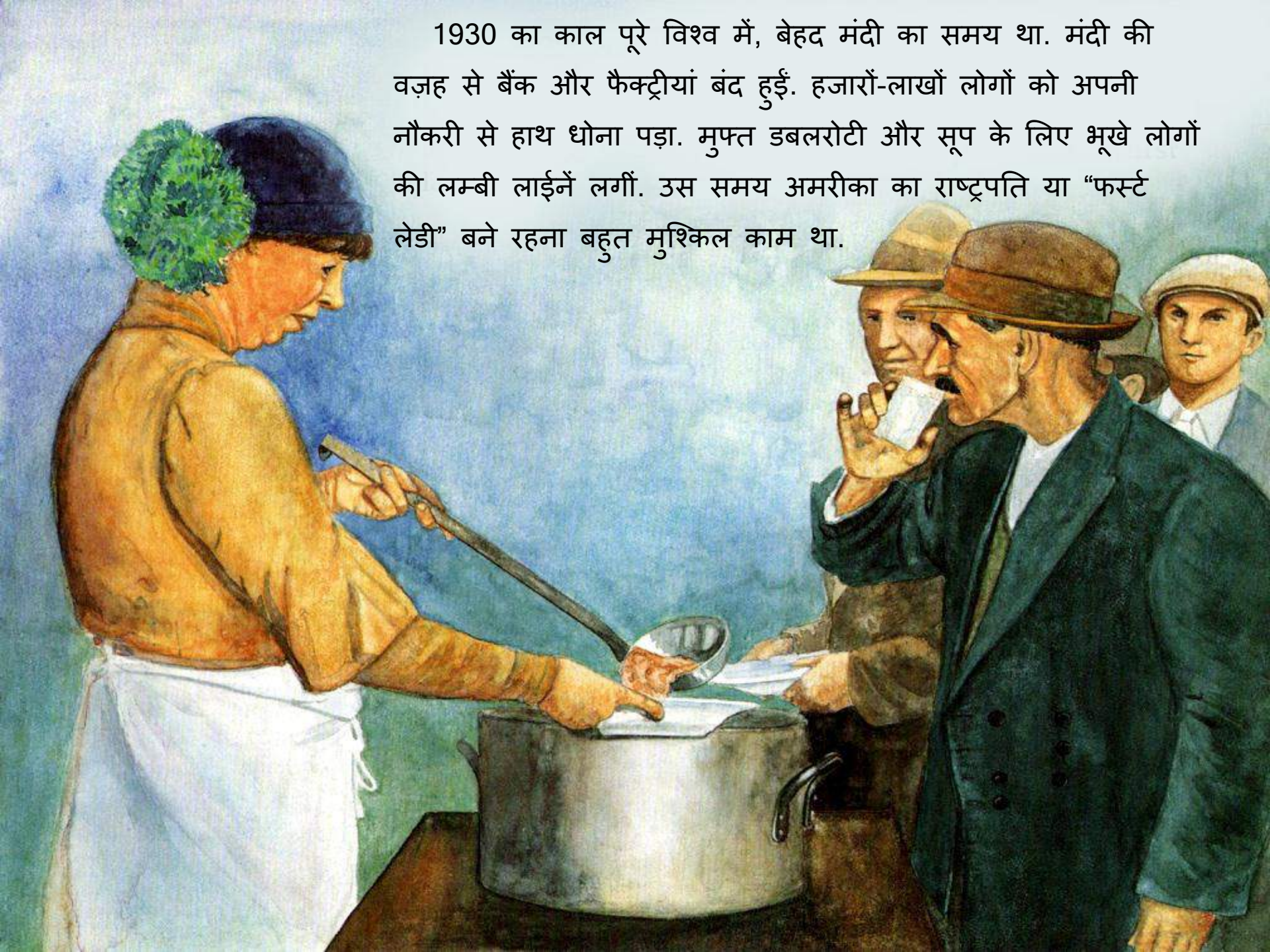

1930 का काल पूरे विश्व में, बेहद मंदी का समय था. मंदी की वज़ह से बैंक और फैक्ट्रीयां बंद हुईं. हजारों-लाखों लोगों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा. मुफ्त डबलरोटी और सूप के लिए भूखे लोगों की लम्बी लाईनें लगीं. उस समय अमरीका का राष्ट्रपति या “फर्स्ट लेडी” बने रहना बहुत मुश्किल काम था.

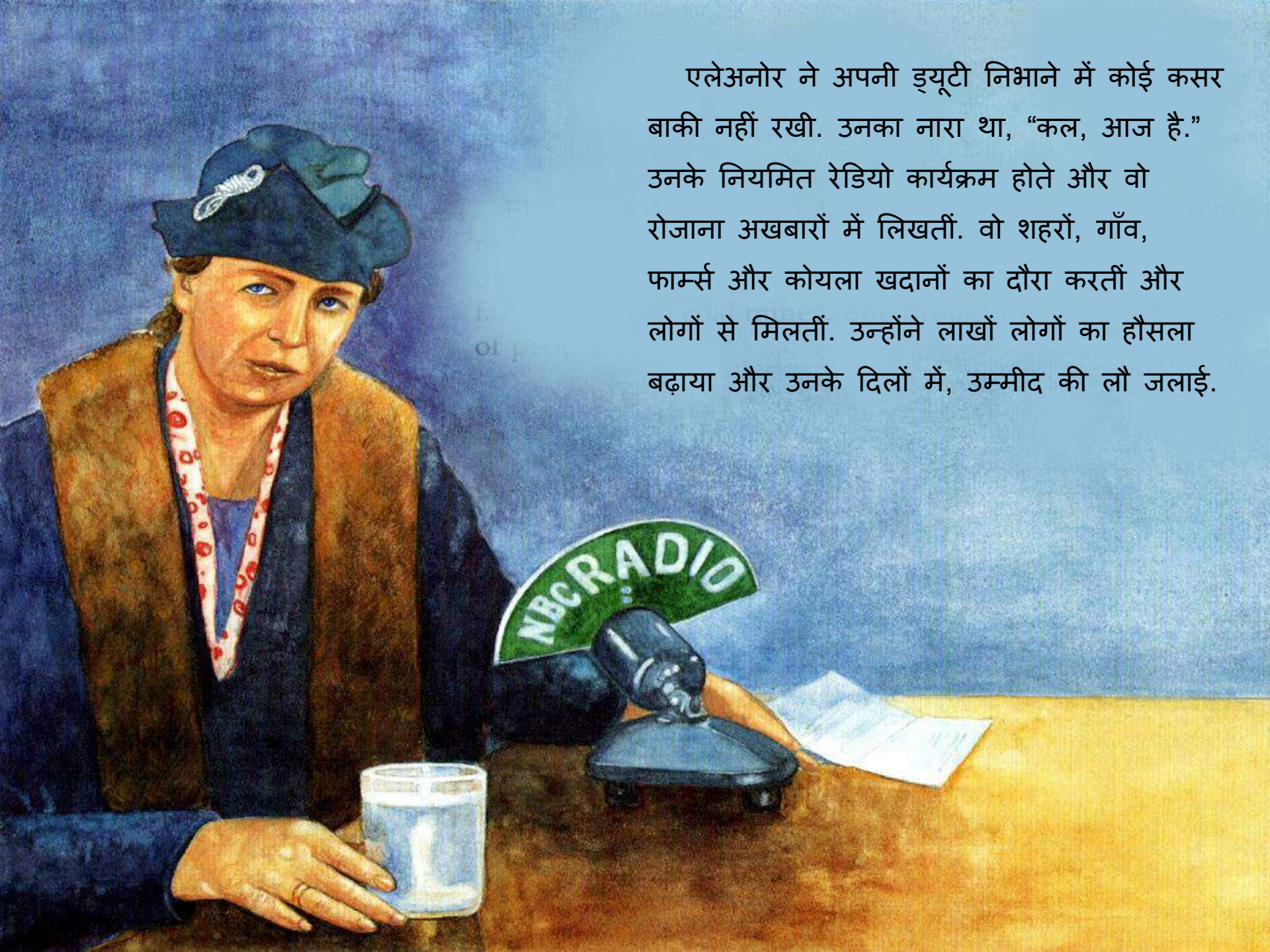

एलेअनोर ने अपनी ड्यूटी निभाने में कोई कसर बाकी नहीं रखी. उनका नारा था, “कल, आज है.” उनके नियमित रेडियो कार्यक्रम होते और वो रोजाना अखबारों में लिखतीं. वो शहरों, गाँव, फार्म्स और कोयला खदानों का दौरा करतीं और लोगों से मिलतीं. उन्होंने लाखों लोगों का हौसला बढ़ाया और उनके दिलों में, उम्मीद की लौ जलाई.

अपने लेखों और लेक्चरस से एलेअनोर जो भी कमातीं, उसे वो गरीबों की मदद पर खर्च करतीं.

एलेअनोर ने महिलाओं के अधिकारों के बारे में लिखा, उन्होंने अमरीका के मूल निवासी - रेड-इंडियंस, बेघर लोगों, युवाओं और अल्पसंख्यक लोगों के बारे में लिखा. “जो तुम्हारे दिल को सही लगे, वही करो,” एलेअनोर ने हमेशा वही किया.

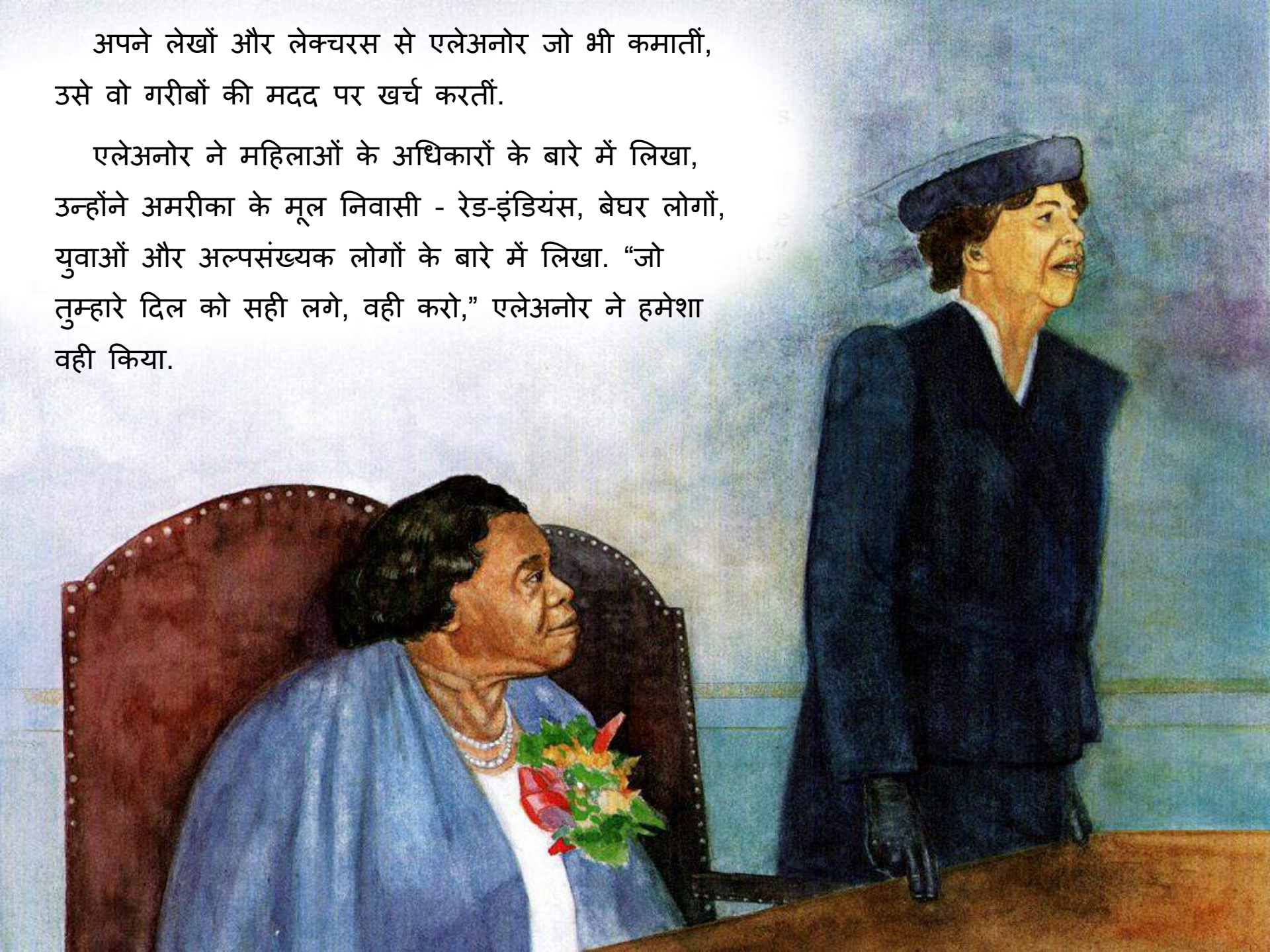

एलेअनोर, अमरीकी क्रांति की बेटी थीं. 1939 में, लोग मशहूर गायिका मारिआन एंडरसन को संगीत हाल में इसलिए गाने नहीं दिया गया, क्यूंकि वो अश्वेत थीं. तब एलेअनोर ने उस ग्रुप की सदस्यता से त्यागपत्र दिया और फिर मारिआन एंडरसन को, लिंकन मेमोरियल के सामने, गाने के लिए आमंत्रित किया.

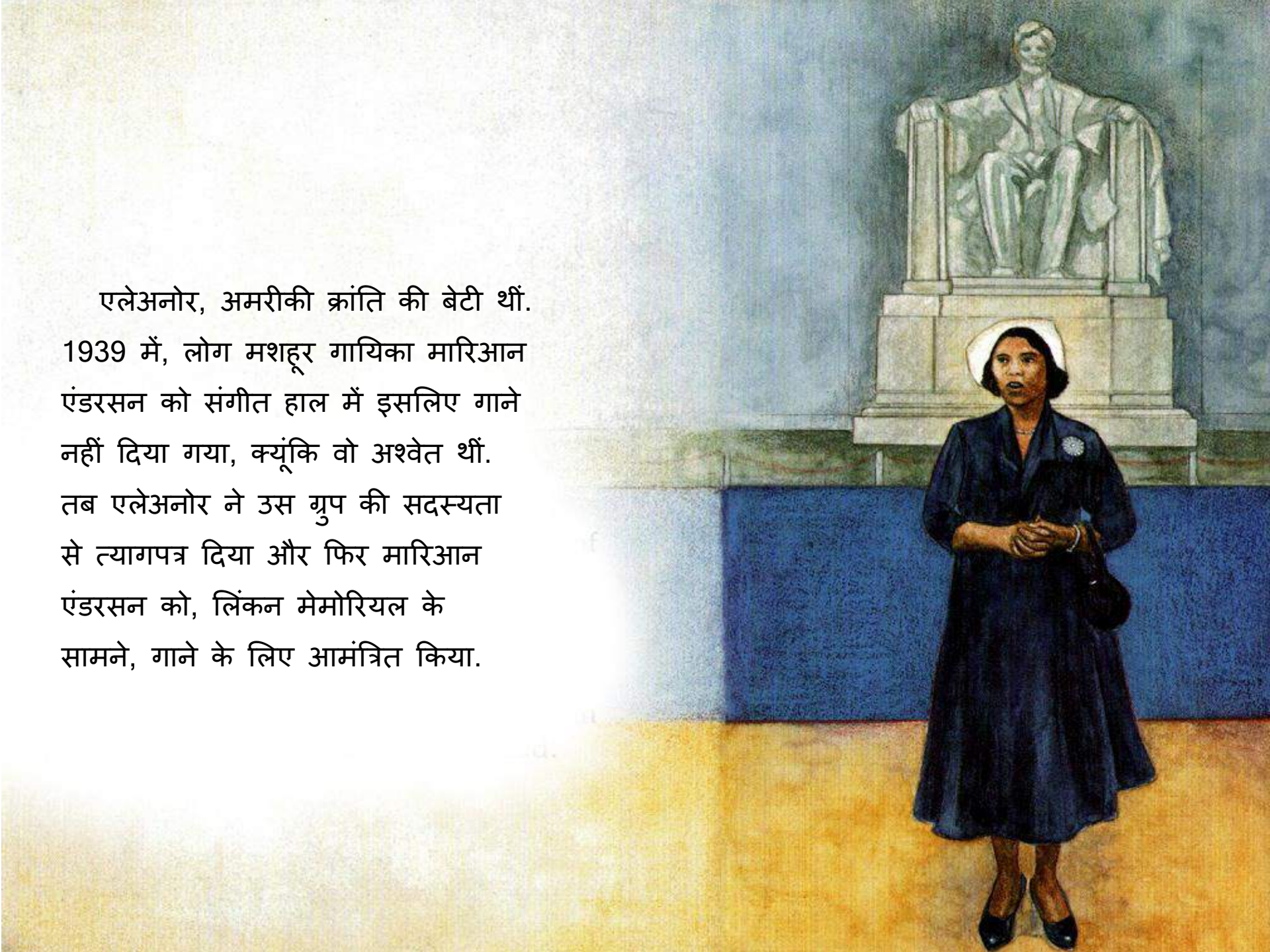

7 दिसंबर 1941 में, जापान ने अमरीकी सेना पर पर्ल हारबर, हवाई में, हमला बोला. उसके बाद से अमरीका भी दूसरे महायुद्ध में शामिल हुआ.

महायुद्ध के दौरान अमरीकी सैनिकों का हौसला बढ़ाने के लिए एलेअनोर ने पूरी दुनिया का दौरा किया. जब वो अमरीका वापिस आतीं तो अपने साथ सैकड़ों सैनिक परिवारों के लिए चिट्ठियां और सन्देश वापिस लातीं.

12 अप्रैल 1945 को, प्रेसिडेंट फ्रैंक्लिन रूजवेल्ट का देहांत हुआ. एलेअनोर के साथ पूरे देश ने, उनके निधन पर शोक मनाया.

एलेअनोर ने राष्ट्रपति भवन - वाइट हाउस, छोड़ दिया. अब वो अमरीका की “फर्स्ट लेडी” नहीं थीं. उसके बाद भी वो लोगों की भलाई ले लिए लगातार काम करती रहीं. “ज़िन्दगी का मकसद है, उसे जीना,” उन्होंने कहा.

कुछ महीनों बाद दूसरा महायुद्ध समाप्त हुआ. एलेअनोर ने शांति बनाए रखने में अहम रोल निभाया. वो संयुक्त राष्ट्र संघ (यूनाइटेड नेशंस) में अमरीकी प्रतिनिधि थीं. संयुक्त राष्ट्र संघ में, दुनिया भर के नेता मिलकर चर्चा द्वारा आपसी मतभेद दूर करते थे. एलेअनोर ने कहा, "अगर हमें साथ-साथ रहना है, तो हमें एक-दूसरे से बातचीत करनी ही होगी."

जब एलेअनोर संयुक्त राष्ट्र संघ में थीं तब वो वहां मानव अधिकार कमीशन की, चेयरपरसन थीं.

एलेअनोर हमेशा बहुत व्यस्त रहती थीं. "हमें वो काम करना चाहिए जो हमें असंभव लगता हो," उन्होंने कहा.

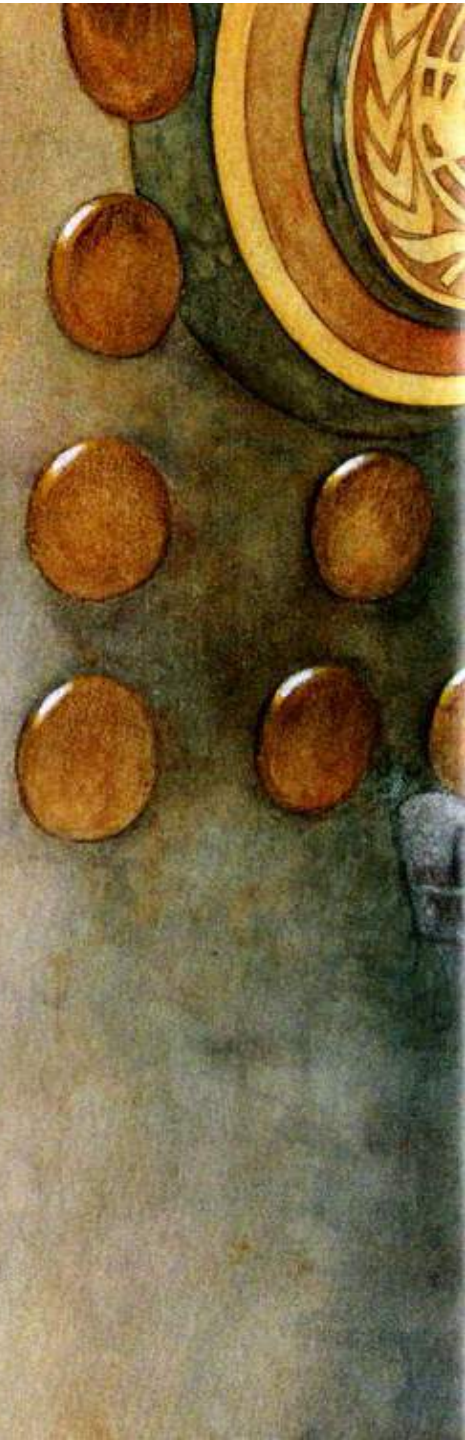

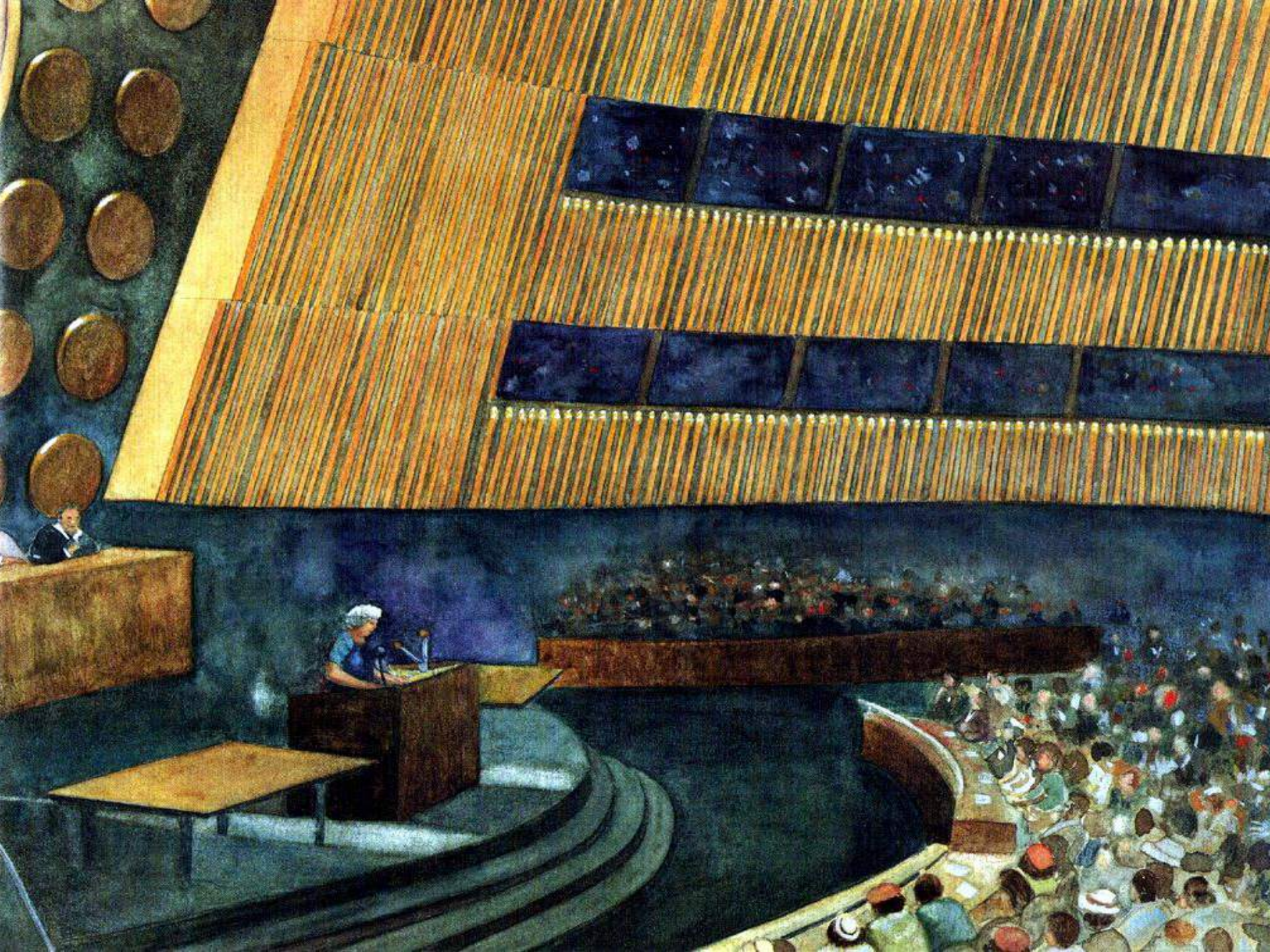

एलेअनोर रूजवेल्ट का 7 नवम्बर 1962 को देहांत हुआ. वो अपने समय, अपने ज़माने की, सबसे लोकप्रिय महिला थीं.

प्रेसिडेंट हैरी एस. ट्रूमैन ने उन्हें, “दुनिया की फर्स्ट लेडी,” का ख़िताब दिया.

महत्वपूर्ण तिथियाँ

1884	11 अक्टूबर को न्यू-यॉर्क शहर में जन्म
1905	फ्रेंक्लिन डेलानो रूजवेल्ट से, 17 मार्च को विवाह
1921	फ्रेंक्लिन, को पोलियो रोग हुआ
1928-1932	फ्रेंक्लिन ने न्यू-यॉर्क के गवर्नर का पद संभाला
1932-1945	फ्रेंक्लिन ने अमरीका के राष्ट्रपति पद का भार संभाला, और एलेअनोर “फर्स्ट लेडी” बनीं
1945	12 अप्रैल को राष्ट्रपति फ्रेंक्लिन का निधन
1945-1953	एलेअनोर, संयुक्त राष्ट्र संघ में अमरीकी प्रतिनिधि बनीं
1946-1951	संयुक्त राष्ट्र संघ के मानव अधिकार कमीशन की चेयरपरसन
1962	7 नवम्बर को, 78 वर्ष की आयु में निधन

एलेअनोर रूजवेल्ट पर सचित्र बाल पुस्तक